

No. 1588 W. d. 26 June 1894

From  
The Supg. Engineer,  
IV Circle.

To  
Sur.

Dated 15<sup>th</sup>  
Despatch 15<sup>th</sup> } June 1894  
Recd: 18. 6. 94.

N<sup>o</sup> 247  
W.

Encls: 1

Watchman to look after  
the <sup>vacant</sup> Commissariat buildings  
at Calicut.

Submitting a proposition  
statement for the entertainment  
of a —

The employment  
of a watchman on  
Rs. 4 per mensem  
for the vacant Com-  
missariat buildings  
at Calicut is sanc-  
tioned, pending the  
issue of orders as  
to the disposal of  
the buildings.

Sub

CHM  
21.6.94

Cur  
S. E. IV circle  
Exar. P. W. acts.  
S. E. IV circle

228/44  
223/6  
227/24/6  
INDEXED

ICE, P.W.D.  
1 JUN. 94  
COLE.

Chief of Government  
Sanctioning the  
present  
arrangement.

Done at Calicut  
14th June 1894

Prs-1  
4531/94

Secretary Engineer's Office  
Calicut 30 May 1894

No 247  
W.  
From,

Supg. Engineer's office, 4 Circle,  
Coimbatore, 15<sup>th</sup> June 1894.

J. Hannan, Esq.,  
Supg. Engineer, 4 Circle,

To,  
The Chief Engineer,  
P.W. Department.

Sir,  
Adverting to G.O. No 1328 W, dated 17<sup>th</sup> May  
1893, I have the honor to submit herewith a  
proposition statement for the entertainment of  
a watchman to look after the vacant Com-  
-missariat buildings at Calicut. The services  
of this watchman will be dispensed with  
on receipt of orders regarding the disposal  
of the buildings referred to in your Memo:  
No 2027c, dated 24<sup>th</sup> May 1894.

Enclosure 1  
1 Proposition  
Statement.

\* Sent to W  
with G.O. 4351  
on 14.6.94

Subject  
Proposed room at  
Palquet. Forwarded  
a statement showing  
need to be cleared  
on this ———  
J.D.  
14.6.94

I have the honor to be,  
Sir,  
Your most obed<sup>t</sup> servant,  
W. Hannan  
Supg. Engineer, 4 Circle.

Attachment required for 1873-4 in the West Coast

| 1873-4 |  | 1874-5 |  | 1875-6 |  | 1876-7 |  | 1877-8 |  | 1878-9 |  | 1879-80 |  | 1880-1 |  | 1881-2 |  | 1882-3 |  | 1883-4 |  | 1884-5 |  | 1885-6 |  | 1886-7 |  | 1887-8 |  | 1888-9 |  | 1889-90 |  | 1890-1 |  | 1891-2 |  | 1892-3 |  | 1893-4 |  | 1894-5 |  | 1895-6 |  | 1896-7 |  | 1897-8 |  | 1898-9 |  | 1899-00 |  | 1900-1 |  | 1901-2 |  | 1902-3 |  | 1903-4 |  | 1904-5 |  | 1905-6 |  | 1906-7 |  | 1907-8 |  | 1908-9 |  | 1909-10 |  | 1910-11 |  | 1911-12 |  | 1912-13 |  | 1913-14 |  | 1914-15 |  | 1915-16 |  | 1916-17 |  | 1917-18 |  | 1918-19 |  | 1919-20 |  | 1920-21 |  | 1921-22 |  | 1922-23 |  | 1923-24 |  | 1924-25 |  | 1925-26 |  | 1926-27 |  | 1927-28 |  | 1928-29 |  | 1929-30 |  | 1930-31 |  | 1931-32 |  | 1932-33 |  | 1933-34 |  | 1934-35 |  | 1935-36 |  | 1936-37 |  | 1937-38 |  | 1938-39 |  | 1939-40 |  | 1940-41 |  | 1941-42 |  | 1942-43 |  | 1943-44 |  | 1944-45 |  | 1945-46 |  | 1946-47 |  | 1947-48 |  | 1948-49 |  | 1949-50 |  | 1950-51 |  | 1951-52 |  | 1952-53 |  | 1953-54 |  | 1954-55 |  | 1955-56 |  | 1956-57 |  | 1957-58 |  | 1958-59 |  | 1959-60 |  | 1960-61 |  | 1961-62 |  | 1962-63 |  | 1963-64 |  | 1964-65 |  | 1965-66 |  | 1966-67 |  | 1967-68 |  | 1968-69 |  | 1969-70 |  | 1970-71 |  | 1971-72 |  | 1972-73 |  | 1973-74 |  | 1974-75 |  | 1975-76 |  | 1976-77 |  | 1977-78 |  | 1978-79 |  | 1979-80 |  | 1980-81 |  | 1981-82 |  | 1982-83 |  | 1983-84 |  | 1984-85 |  | 1985-86 |  | 1986-87 |  | 1987-88 |  | 1988-89 |  | 1989-90 |  | 1990-91 |  | 1991-92 |  | 1992-93 |  | 1993-94 |  | 1994-95 |  | 1995-96 |  | 1996-97 |  | 1997-98 |  | 1998-99 |  | 1999-00 |  | 2000-01 |  | 2001-02 |  | 2002-03 |  | 2003-04 |  | 2004-05 |  | 2005-06 |  | 2006-07 |  | 2007-08 |  | 2008-09 |  | 2009-10 |  | 2010-11 |  | 2011-12 |  | 2012-13 |  | 2013-14 |  | 2014-15 |  | 2015-16 |  | 2016-17 |  | 2017-18 |  | 2018-19 |  | 2019-20 |  | 2020-21 |  | 2021-22 |  | 2022-23 |  | 2023-24 |  | 2024-25 |  | 2025-26 |  | 2026-27 |  | 2027-28 |  | 2028-29 |  | 2029-30 |  | 2030-31 |  | 2031-32 |  | 2032-33 |  | 2033-34 |  | 2034-35 |  | 2035-36 |  | 2036-37 |  | 2037-38 |  | 2038-39 |  | 2039-40 |  | 2040-41 |  | 2041-42 |  | 2042-43 |  | 2043-44 |  | 2044-45 |  | 2045-46 |  | 2046-47 |  | 2047-48 |  | 2048-49 |  | 2049-50 |  | 2050-51 |  | 2051-52 |  | 2052-53 |  | 2053-54 |  | 2054-55 |  | 2055-56 |  | 2056-57 |  | 2057-58 |  | 2058-59 |  | 2059-60 |  | 2060-61 |  | 2061-62 |  | 2062-63 |  | 2063-64 |  | 2064-65 |  | 2065-66 |  | 2066-67 |  | 2067-68 |  | 2068-69 |  | 2069-70 |  | 2070-71 |  | 2071-72 |  | 2072-73 |  | 2073-74 |  | 2074-75 |  | 2075-76 |  | 2076-77 |  | 2077-78 |  | 2078-79 |  | 2079-80 |  | 2080-81 |  | 2081-82 |  | 2082-83 |  | 2083-84 |  | 2084-85 |  | 2085-86 |  | 2086-87 |  | 2087-88 |  | 2088-89 |  | 2089-90 |  | 2090-91 |  | 2091-92 |  | 2092-93 |  | 2093-94 |  | 2094-95 |  | 2095-96 |  | 2096-97 |  | 2097-98 |  | 2098-99 |  | 2099-00 |  | 2100-01 |  | 2101-02 |  | 2102-03 |  | 2103-04 |  | 2104-05 |  | 2105-06 |  | 2106-07 |  | 2107-08 |  | 2108-09 |  | 2109-10 |  | 2110-11 |  | 2111-12 |  | 2112-13 |  | 2113-14 |  | 2114-15 |  | 2115-16 |  | 2116-17 |  | 2117-18 |  | 2118-19 |  | 2119-20 |  | 2120-21 |  | 2121-22 |  | 2122-23 |  | 2123-24 |  | 2124-25 |  | 2125-26 |  | 2126-27 |  | 2127-28 |  | 2128-29 |  | 2129-30 |  | 2130-31 |  | 2131-32 |  | 2132-33 |  | 2133-34 |  | 2134-35 |  | 2135-36 |  | 2136-37 |  | 2137-38 |  | 2138-39 |  | 2139-40 |  | 2140-41 |  | 2141-42 |  | 2142-43 |  | 2143-44 |  | 2144-45 |  | 2145-46 |  | 2146-47 |  | 2147-48 |  | 2148-49 |  | 2149-50 |  | 2150-51 |  | 2151-52 |  | 2152-53 |  | 2153-54 |  | 2154-55 |  | 2155-56 |  | 2156-57 |  | 2157-58 |  | 2158-59 |  | 2159-60 |  | 2160-61 |  | 2161-62 |  | 2162-63 |  | 2163-64 |  | 2164-65 |  | 2165-66 |  | 2166-67 |  | 2167-68 |  | 2168-69 |  | 2169-70 |  | 2170-71 |  | 2171-72 |  | 2172-73 |  | 2173-74 |  | 2174-75 |  | 2175-76 |  | 2176-77 |  | 2177-78 |  | 2178-79 |  | 2179-80 |  | 2180-81 |  | 2181-82 |  | 2182-83 |  | 2183-84 |  | 2184-85 |  | 2185-86 |  | 2186-87 |  | 2187-88 |  | 2188-89 |  | 2189-90 |  | 2190-91 |  | 2191-92 |  | 2192-93 |  | 2193-94 |  | 2194-95 |  | 2195-96 |  | 2196-97 |  | 2197-98 |  | 2198-99 |  | 2199-00 |  | 2200-01 |  | 2201-02 |  | 2202-03 |  | 2203-04 |  | 2204-05 |  | 2205-06 |  | 2206-07 |  | 2207-08 |  | 2208-09 |  | 2209-10 |  | 2210-11 |  | 2211-12 |  | 2212-13 |  | 2213-14 |  | 2214-15 |  | 2215-16 |  | 2216-17 |  | 2217-18 |  | 2218-19 |  | 2219-20 |  | 2220-21 |  | 2221-22 |  | 2222-23 |  | 2223-24 |  | 2224-25 |  | 2225-26 |  | 2226-27 |  | 2227-28 |  | 2228-29 |  | 2229-30 |  | 2230-31 |  | 2231-32 |  | 2232-33 |  | 2233-34 |  | 2234-35 |  | 2235-36 |  | 2236-37 |  | 2237-38 |  | 2238-39 |  | 2239-40 |  | 2240-41 |  | 2241-42 |  | 2242-43 |  | 2243-44 |  | 2244-45 |  | 2245-46 |  | 2246-47 |  | 2247-48 |  | 2248-49 |  | 2249-50 |  | 2250-51 |  | 2251-52 |  | 2252-53 |  | 2253-54 |  | 2254-55 |  | 2255-56 |  | 2256-57 |  | 2257-58 |  | 2258-59 |  | 2259-60 |  | 2260-61 |  | 2261-62 |  | 2262-63 |  | 2263-64 |  | 2264-65 |  | 2265-66 |  | 2266-67 |  | 2267-68 |  | 2268-69 |  | 2269-70 |  | 2270-71 |  | 2271-72 |  | 2272-73 |  | 2273-74 |  | 2274-75 |  | 2275-76 |  | 2276-77 |  | 2277-78 |  | 2278-79 |  | 2279-80 |  | 2280-81 |  | 2281-82 |  | 2282-83 |  | 2283-84 |  | 2284-85 |  | 2285-86 |  | 2286-87 |  | 2287-88 |  | 2288-89 |  | 2289-90 |  | 2290-91 |  | 2291-92 |  | 2292-93 |  | 2293-94 |  | 2294-95 |  | 2295-96 |  | 2296-97 |  | 2297-98 |  | 2298-99 |  | 2299-00 |  | 2300-01 |  | 2301-02 |  | 2302-03 |  | 2303-04 |  | 2304-05 |  | 2305-06 |  | 2306-07 |  | 2307-08 |  | 2308-09 |  | 2309-10 |  | 2310-11 |  | 2311-12 |  | 2312-13 |  | 2313-14 |  | 2314-15 |  | 2315-16 |  | 2316-17 |  | 2317-18 |  | 2318-19 |  | 2319-20 |  | 2320-21 |  | 2321-22 |  | 2322-23 |  | 2323-24 |  | 2324-25 |  | 2325-26 |  | 2326-27 |  | 2327-28 |  | 2328-29 |  | 2329-30 |  | 2330-31 |  | 2331-32 |  | 2332-33 |  | 2333-34 |  | 2334-35 |  | 2335-36 |  | 2336-37 |  | 2337-38 |  | 2338-39 |  | 2339-40 |  | 2340-41 |  | 2341-42 |  | 2342-43 |  | 2343-44 |  | 2344-45 |  | 2345-46 |  | 2346-47 |  | 2347-48 |  | 2348-49 |  | 2349-50 |  | 2350-51 |  | 2351-52 |  | 2352-53 |  | 2353-54 |  | 2354-55 |  | 2355-56 |  | 2356-57 |  | 2357-58 |  | 2358-59 |  | 2359-60 |  | 2360-61 |  | 2361-62 |  | 2362-63 |  | 2363-64 |  | 2364-65 |  | 2365-66 |  | 2366-67 |  | 2367-68 |  | 2368-69 |  | 2369-70 |  | 2370-71 |  | 2371-72 |  | 2372-73 |  | 2373-74 |  | 2374-75 |  | 2375-76 |  | 2376-77 |  | 2377-78 |  | 2378-79 |  | 2379-80 |  | 2380-81 |  | 2381-82 |  | 2382-83 |  | 2383-84 |  | 2384-85 |  | 2385-86 |  | 2386-87 |  | 2387-88 |  | 2388-89 |  | 2389-90 |  | 2390-91 |  | 2391-92 |  | 2392-93 |  | 2393-94 |  | 2394-95 |  | 2395-96 |  | 2396-97 |  | 2397-98 |  | 2398-99 |  | 2399-00 |  | 2400-01 |  | 2401-02 |  | 2402-03 |  | 2403-04 |  | 2404-05 |  | 2405-06 |  | 2406-07 |  | 2407-08 |  | 2408-09 |  | 2409-10 |  | 2410-11 |  | 2411-12 |  | 2412-13 |  | 2413-14 |  | 2414-15 |  | 2415-16 |  | 2416-17 |  | 2417-18 |  | 2418-19 |  | 2419-20 |  | 2420-21 |  | 2421-22 |  | 2422-23 |  | 2423-24 |  | 2424-25 |  | 2425-26 |  | 2426-27 |  | 2427-28 |  | 2428-29 |  | 2429-30 |  | 2430-31 |  | 2431-32 |  | 2432-33 |  | 2433-34 |  | 2434-35 |  | 2435-36 |  | 2436-37 |  | 2437-38 |  | 2438-39 |  | 2439-40 |  | 2440-41 |  | 2441-42 |  | 2442-43 |  | 2443-44 |  | 2444-45 |  | 2445-46 |  | 2446-47 |  | 2447-48 |  | 2448-49 |  | 2449-50 |  | 2450-51 |  | 2451-52 |  | 2452-53 |  | 2453-54 |  | 2454-55 |  | 2455-56 |  | 2456-57 |  | 2457-58 |  | 2458-59 |  | 2459-60 |  | 2460-61 |  | 2461-62 |  | 2462-63 |  | 2463-64 |  | 2464-65 |  | 2465-66 |  | 2466-67 |  | 2467-68 |  | 2468-69 |  | 2469-70 |  | 2470-71 |  | 2471-72 |  | 2472-73 |  | 2473-74 |  | 2474-75 |  | 2475-76 |  | 2476-77 |  | 2477-78 |  | 2478-79 |  | 2479-80 |  | 2480-81 |  | 2481-82 |  | 2482-83 |  | 2483-84 |  | 2484-85 |  | 2485-86 |  | 2486-87 |  | 2487-88 |  | 2488-89 |  | 2489-90 |  | 2490-91 |  | 2491-92 |  | 2492-93 |  | 2493-94 |  | 2494-95 |  | 2495-96 |  | 2496-97 |  | 2497-98 |  | 2498-99 |  | 2499-00 |  | 2500-01 |  | 2501-02 |  | 2502-03 |  | 2503-04 |  | 2504-05 |  | 2505-06 |  | 2506-07 |  | 2507-08 |  | 2508-09 |  | 2509-10 |  | 2510-11 |  | 2511-12 |  | 2512-13 |  | 2513-14 |  | 2514-15 |  | 2515-16 |  | 2516-17 |  | 2517-18 |  | 2518-19 |  | 2519-20 |  | 2520-21 |  | 2521-22 |  | 2522-23 |  | 2523-24 |  | 2524-25 |  | 2525-26 |  | 2526-27 |  | 2527-28 |  | 2528-29 |  | 2529-30 |  | 2530-31 |  | 2531-32 |  | 2532-33 |  | 2533-34 |  | 2534-35 |  | 2535-36 |  | 2536-37 |  | 2537-38 |  | 2538-39 |  | 2539-40 |  | 2540-41 |  | 2541-42 |  | 2542-43 |  | 2543-44 |  | 2544-45 |  | 2545-46 |  | 2546-47 |  | 2547-48 |  | 2548-49 |  | 2549-50 |  | 2550-51 |  | 2551-52 |  | 2552-53 |  | 2553-54 |  | 2554-55 |  | 2555-56 |  | 2556-57 |  | 2557-58 |  | 2558-59 |  | 2559-60 |  | 2560-61 |  | 2561-62 |  | 2562-63 |  | 2563-64 |  | 2564-65 |  | 2565-66 |  | 2566-67 |  | 2567-68 |  | 2568-69 |  | 2569-70 |  | 2570-71 |  | 2571-72 |  | 2572-73 |  | 2573-74 |  | 2574-75 |  | 2575-76 |  | 2576-77 |  | 2577-78 |  | 2578-79 |  | 2579-80 |  | 2580-81 |  | 2581-82 |  | 2582-83 |  | 2583-84 |  | 2584-85 |  | 2585-86 |  | 2586-87 |  | 2587-88 |  | 2588-89 |  | 2589-90 |  | 2590-91 |  | 2591-92 |  | 2592-93 |  | 2593-94 |  | 2594-95 |  | 2595-96 |  | 2596-97 |  | 2597-98 |  | 2598-99 |  | 2599-00 |  | 2600-01 |  | 2601-02 |  | 2602-03 |  | 2603-04 |  | 2604-05 |  | 2605-06 |  | 2606-07 |  | 2607-08 |  | 2608-09 |  | 2609-10 |  | 2610-11 |  | 2611-12 |  | 2612-13 |  | 2613-14 |  | 2614-15 |  | 2615-16 |  | 2616-17 |  | 2617-18 |  | 2618-19 |  | 2619-20 |  | 2620-21 |  | 2621-22 |  | 2622-23 |  | 2623-24 |  | 2624-25 |  | 2625-26 |  | 2626-27 |  | 2627-28 |  | 2628-29 |  | 2629-30 |  | 2630-31 |  | 2631-32 |  | 2632-33 |  | 2633-34 |  | 2634-35 |  | 2635-36 |  | 2636-37 |  | 2637-38 |  | 2638-39 |  | 2639-40 |  | 2640-41 |  | 2641-42 |  | 2642-43 |  | 2643-44 |  | 2644-45 |  | 2645-46 |  | 2646-47 |  | 2647-48 |  | 2648-49 |  | 2649-50 |  | 2650-51 |  | 2651-52 |  | 2652-53 |  | 2653-54 |  | 2654-55 |  | 2655-56 |  | 2656-57 |  | 2657-58 |  | 2658-59 |  | 2659-60 |  | 2660-61 |  | 2661-62 |  | 2662-63 |  | 2663-64 |  | 2664-65 |  | 2665-66 |  | 2666-67 |  | 2667-68 |  | 2668-69 |  | 2669-70 |  | 2670-71 |  | 2671-72 |  | 2672-73 |  | 2673-74 |  | 2674-75 |  | 2675-76 |  | 2676-77 |  | 2677-78 |  | 2678-79 |  | 2679-80 |  | 2680-81 |  | 2681-82 |  | 2682-83 |  | 2683-84 |  | 2684-85 |  | 2685-86 |  | 2686-87 |  | 2687-88 |  | 2688-89 |  | 2689-90 |  | 2690-91 |  | 2691-92 |  | 2692-93 |  | 2693-94 |  | 2694-95 |  | 2695-96 |  | 2696-97 |  | 2697-98 |  | 2698-99 |  | 2699-00 |  | 270 |  |
|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|-----|--|
|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|--------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|---------|--|-----|--|